Mrs.Ramakanti Sahu (Professor)
IASE Bilaspur C.G.
M.ED.3RD SM
Paper – 3 - Career Development and Guidance
Contect No - 911485325

Unit 3-Understanding Career information
वृत्तिक या रोजगार सूचना की समझ

Unit 3 -1- Importance of Career information ;
वृत्तिक या रोजगार सूचनाओं का महत्व –

उद्देश्य :

1. निर्देशन सेवा से शिक्षा के उद्देश्य को जान सकेंगे।
2. निर्देशन सेवा से सूचनाओं की प्राप्ति की समझ विकसित होगी।
3. लक्ष्य प्राप्ति की जानकारी में सुविधा होगी।

प्रस्तावना :

निर्देशन सेवाओं के अंतर्गत, सूचनाओं का विशेष महत्व है। ब्यक्ति को सूचना देने से पहले उसके शारीरिक, मानसिक, ब्यक्तिगत शैक्षिक, पारिवारिक, सामाजिक एवं आर्थिक पहलुओं का ज्ञान होना अत्यन्त आवश्यक है। निर्देशन का मुख्य कार्य ब्यक्ति को रोजगार के संबंध में जानकारी देना तथा उसे उसकी योग्यताओं एवं क्षमताओं का ज्ञान कराना है। रोजगारों की प्रकृति तथा ब्यक्ति की योग्यताओं एवं क्षमताओं के आधार पर पूर्वानुमान करना कि वह ब्यक्ति किस रोजगार में अच्छा प्रदर्शन करके सफल हो सकेगा। इस प्रकार व्यवसायिक निर्देशन में ब्यक्ति के लिए रोजगार के संबंध में पूर्वानुमान विभिन्न रोजगारों के लिए विभिन्न प्रवणता परीक्षण होते है। प्रत्येक रोजगार में कुशल होने के लिए विशिष्ट योग्यताओं एवं क्षमताओं की आवश्यकता होती है। उसके लिए बृहद पहलुओं का ज्ञान होना आवश्यक है –

1. शारीरिक –
2. मानसिक –
3. सामाजिक –
4. आर्थिक –
5. भावात्मक –
6. राजनीतिक –

एक कुशल शिक्षक एवं तथा डॉक्टर के लिए शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं भावात्मक दृष्टि से सामान्य होना आवश्यक है।

एक कुशल अभियंता के लिए शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से सामान्य होना आवश्यक है।

एक कुशल टाइपिस्ट या लिपिक को शारीरिक दृष्टि से कुशल होना उतना महत्वपूर्ण नहीं जितना कि एक शिक्षक, डॉक्टर को चाहिए।

रोजगार शिक्षा एवं सूचनाओं को आवश्यकता –

उज्जवल भविष्य अर्थात लक्ष्य प्राप्ति के लिए साथ–साथ काम करना आवश्यक है

– उज्जवल भविष्य के लिए आगे से दृष्टि रखन हेतु।
– प्रारम्भ परिवार से होना चाहिए।
– विद्यालयों तथा महाविद्यालयों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।
– व्यवसायिक सफलता के लिए बालकों में अंर्तदृष्टि का विकास होता है।
– व्यवसायिक व वृत्तिक सफलता के लिए समुचित अध्ययन विषयों का ज्ञान होता है।
– शिक्षकों द्वारा छात्रों को राजगार चयन संबंधी जानकारी दी जाती है
– विभिन्न व्यवसायों में से समुचित व्यवसाय का चयन करना
– विशिष्ट व्यवसायों तथा प्रशिक्षण साधनों की सम्पूर्ण जानकारी दी जाती है

रोजगार सूचना निर्देशन की प्रक्रिया निर्देशन प्रदाता एवं छात्रों के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण होती है। जीवन के हर क्षेत्र में सूचनाओं की आवश्यकता होती है किन्तु वैयक्तिक, शैक्षिक तथा व्यावसायिक निर्देशन के क्षेत्र में सूचनाओं का विशेष महत्व है।

रोजगार सूचना का महत्व :

.....

1. विश्वसनीय होती है –
2. जानकारी प्राप्त करने में सहायता –
3. उचित निर्णय लेने में सहायता –
4. सूचना संप्रेषण प्रक्रिया का मितब्ययी होना –
5. ब्यक्ति में वांछनीय स्तर की संवेदनशीलता का विकास करना –
6. ब्यक्ति की प्रतिभा एवं उपलब्धि का सर्वोत्तम नियोजन करना –
7. ब्यक्ति की क्षमता व सेवा के बीच सामंजस्य स्थापित करना –
8. ब्यक्ति में जॉब संतुष्टि प्राप्ति में सहायक –
9. सामाजिक, आथिक एवं राजनीतिक आवश्यकता के लिए नई सूचनाएँ प्रदान करना –
10. तकनीकी विकास एवं परिवर्तन की जानकारी प्रदान करना –
11. विद्यालय एवं प्रशिक्षण संस्थाओं के कार्य को उद्देश्य पूर्ण बनाना –
12. विश्व, देश एवं राज्य में रोजगार की ब्यवस्था की जानकारी देना –

उपसंहार –

मूल्यांकन –

प्रश्न 1. वृत्तिक या रोजगार सूचना की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 2. रोजगार सूचना प्राप्ति के उद्देश्य को समझाइए।

Unit 3-2 Dimentions of Career Information, nature of work, working conditions, entry requirements, earning, growth opportunities ect.

रोजगार/वृतिक सूचना के आयाम या पक्ष : कार्य को प्रकृति, कार्य की स्थिति, प्रवेश हेतु आवश्यक शर्तें, आय या वेतन, भविष्य में विकास की संभावनाएँ आदि

उद्देश्य –

1 – प्रशिक्षार्थी विभिन्न प्रकार के वृत्तिक या रोजगार के बारे में जान सकेगें।

2 – छात्रों को रोजगार चयन में सुविधा होगी।

3 – अपनी प्रतिभा का अधिकतम उपयोग कर सकेगें।

रोजगार प्राप्ति के विभिन्न आयाम या पक्ष (Dimentions of Career Information) :

1–कार्य का स्वरुप/प्रकृति (Nature of work) – प्रत्येक व्यवसाय, कार्य, पद आदि में कार्य का स्वरुप या प्रकृति कुछ मामलो में समानता लिए होती है किंतु कई मामलों में विविधता पाई जाती है। जैसे तिलहन फसलों में तिल, मूँगफली, सोयाबिन, अलसी आदि से तेल निकालने एवं दलहन फसलों में अरहर, मूंग, मसूर, तिवरा आदि दाल बनाने की प्रक्रिया में समानता मिलेगी वहीं शक्कर एवं गुड़ निर्माण, साबूदाना निर्माण एकदम अलग है। हमें जो भी रोजगार अपनाना है उसके पहले हमें उन सभी की जानकारी होना आवश्यक है ताकि हमें उसमें संतुष्टि हासिल हो न की बाद में हमें वह वृत्तिक छोड़ना पड़े।

1 – कार्य की दशाएँ या स्थिति (Working Conditions) – अलग–अलग क्षेत्र, कार्य, ब्यवसाय, पद आदि में कार्य की स्थिति में भिन्नता पाई जाती है। जैसे शिक्षा के क्षेत्र में कार्य की अवधि 7 घंटे की होती है वही चिकित्सा के क्षेत्र में यह अवधि 24 घंटे में किसी भी

वक्त की हो सकती है। मेरिन क्षेत्र में काय की स्थिति एवं माइनिंग क्षेत्र में कार्य की स्थिति एकदम अलग होती है। इसी तरह एक कृषक कार्य, एक पशु पालक, एक दर्जी का कार्य, एक नाई का कार्य, एक धोबी, लोहार, सोनार, जुलाहा आदि के कार्य की स्थिति में विविधता होती है।

इसी तरह अलग–अलग व्यवसाय मं कार्य की प्रकृति में अंतर होता है। कृषि ब्यवसाय, शिक्षा, चिकित्सा, तकनीकी, संचार, परिवहन, सुरक्षा, होटलिंग, मॉडलिंग, आई.टी, प्रशासनिक आदि। विभिन्न पदों पर भी इसमें अंतर पाया जाता है। जैसे चपरासी, पटवारी, सरपंच, लिपिक, पुलिस, शिक्षक, चिकित्सक, अभियंता, नेता, अभिनेता, जिलाधीश, जज, पार्षद, महापौर, विधायक, मंत्री प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति आदि के कार्यों में विविधता मिलती है।

3 – प्रवेश हेतु आवश्यक शर्तें (Entry Requirements) –

विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु पद विशेष से संबंधित सेवा की शर्तें होती हैं जिसका अनुपालन करना आवश्यक होता है। किसी भी प्रकार की शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय, पद एवं प्रशिक्षण शुरु करने से पहले उससे संबंधित शर्तों की पूर्ति पश्चात् ही कार्य शुरु करने की पात्रता हासिल होती है। जैसे – केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सी.टी.ई.टी) – www.cbsc.nic.in

आवश्यक अर्हता/शर्तें –

.....

प्राथमिक एवं उच्च प्रथमिक स्तर पर अध्यापन हेतु अलए–अलग पात्रता परीक्षा देना होता है। इन परीक्षाओं के लिए न्यूनतम अर्हता या शर्तें निम्नानुसार है –

(अ) कक्षा पहली से कक्षा पांचवी तक अध्यापन हेतु – किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो तथा प्रारम्भिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा हो (चाहे उसे कोई भी नाम दिया गया हो)

(ब) कक्षा 6वीं से कक्षा 8वीं तक अध्यापन हेतु – किसी भी विषय में स्नातक तथा प्ररम्भिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा हो अथवा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक तथा बी.एड. हो।

आवेदन प्रक्रिया –सी.बी.एस.ई. के वेबसाइट www.cbsc.nic.in या www.ctet.nic.in में आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना पड़ता है। इसके बाद सी.बी.एस.ई आवेदक को एक पंजीयन क्रमांक तथा आवेदक की पावती ऑनलाईन देता है । इस पावती एवं पंजीयन क्रमांक को निर्धारित परीक्षा शुल्क से डिमांड ड्राफ्ट एवं अन्य सहपत्रों सहित आवेदक को रजिस्टर्ड या स्पीड पोस्ट

से सी.बी.एस.ई. के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में भेजना होता है।

परीक्षा योजना –

1. शिक्षक पात्रता परीक्षा में प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होते है।
2. इसमें कुल दो प्रश्न पत्र होत है। प्रथम पेपर में उत्तीर्ण घोषित होने पर कक्षा पहली से पांचवी तक के अध्यापन के लिए पात्र होते है। जबकि द्वितीय पेपर में उत्तीर्ण होने पर कक्षा छठवीं से आठवीं तक के अध्यापन के लिए पात्र होते हैं।

इसी प्रकार विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन में मांग की शर्तों के आधार पर उसे पूरा करने के पश्चात् पात्रता हासिल होती है।

4 – आय (Earning) – पद, कार्य, व्यवसाय, परिश्रम एवं पात्रता आदि के अनुसार के अनुसार आमदनी भी अलग–अलग होती है। जैसे – कक्षा पहली से पांचवी तक के विद्यार्थियों को पढ़ाने वाले शिक्षकों की प्रारम्भिक मासिक आय रू. 35,000 एवं कक्षा छठवीं से आठवीं तक को पढ़ाने वाले शिक्षकों की मासिक आय 40,000 रूपये होती है।

5 – विकास के अवसर (Growth opportunities) – विकास का नाम ही जीवन है। बिना विकास के जिन्दगी अधूरी है। हम जिस भी व्यवसाय, क्षेत्र, पद आदि पर कार्य शुरु करना चाहते है भविष्य में उसमें विकास के अवसर को ध्यान में रखना अत्यन्त आवश्यक है। इसके लिए समय के साथ अपनी पात्रता या डिग्री में बृद्धि, कौशल विकास, प्रशिक्षण, प्रतियोगिता, प्रतिस्पर्द्धा आदि को ध्यान में रखते हुए हमेशा सजग एवं क्रियाशील रहना चाहिए। जैसे–यदि हम पहले प्राथमिक शाला के शिक्षक के रुप में नियुक्त होते हैं तो हमारी कोशिश हो कि हम +2 प्राचार्य के पद तक पहुँच कर सेवानिवृत्त हो। इसके लिए हमें शिक्षा में स्नातकोत्तर की डिग्री, बी.एड. प्रशिक्षण, आई.सी.टी. का ज्ञान एवं टी.ई.टी. परीक्षा पास करना आवश्यक है।

उपसंहार –

मूल्यांकन –

प्रश्न 1. रोजगार या वृत्तिक चयन हेतु विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालिए?

प्रश्न 2. आप अधिकतम जॉब संतुष्टि हेतु अपने लिए रोजगार चयन में किन–किन पक्षों पर विशेष ध्यान देगें और क्यों?

समझाइये।

प्रश्न 3. रोजगार से आप क्या समझते हैं? रोजगार चयन से पूर्व उसके विभिन्न पक्षां के बारे में जानना आवश्यक क्यों है?

Unit 3-3 Primary and Secondary sources of Information ; Filing of Career Information

प्राथमिक एवं द्वितीयक सूचना स्त्रोत – रोजगार की जानकारी दर्ज करना

उद्देश्य :

1–प्रशिक्षार्थी रोजगार के प्राथमिक सूचना स्त्रोत के बारे में जान सकेंगे।

2–रोजगार के द्वितीयक सूचना स्त्रोत के बारे में समझ विकसित होगी।

भारत में व्यवसाय से संबंधित सूचनाएँ –

1. शिक्षण–अवधि से संबंधित सूचनाएँ –
2. विभीन्न शिक्षण संस्थाओं से संबंधित सूचनाएँ –
3. विभीन्न शिक्षण संस्थाओं में उपलब्ध पाठ्क्रमों से संबंधित सूचनाएँ–
4. विभीन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु निर्धारित शैक्षिक अर्हताएँ संबंधी सूचनाएँ –
5. शिक्षण पद्धतियों, नियुक्त प्राध्यापकों तथा विभिन्न पाठ्क्रमों में सफलता सूचक विभिन्न प्राप्त अंकों के स्तरों के बारे में सूचनाएँ –

जार्ज ई. मायर्स ने व्यावसायिक निर्देशन हेतु आवश्यक सूचनाओं का निम्नांकित रुप में प्रयोग किया है –

1. व्यवसाय का महत्व –
2. कार्य की प्रवृत्ति –
3. कार्य की दशाएँ –
4. आवश्यक शारीरिक योग्यता –
5. पदोन्नति के अवसर –
7. क्षति पूर्ति –
8. लाभ तथा हानि –

सूचनाओं के स्त्रोत (sources of Information) –

1–प्राथमिक सूचना स्त्रोत (Primary Sources of information) –

रोजगार प्राप्ति हेतु मौलिक सूचना स्त्रोतों को इसके अंतर्गत हैं जैसे –

1. निर्देशन केन्द्र, रोजगार कार्यालय एवं श्रम कल्याण कार्यालय
2. निर्देशालय जनरल ऑफ एम्पलायमेण्ट एण्ड ट्रेगिंग, 18, गुरुद्वारा रोड, नई दिल्ली
3. कैरियर इंस्टीट्यूट, 94 बेर्च रोड नई दिल्ली
4. पिजनिस अवू एजुकेशन इन्फार्मेशन सेक्शन, नई दिल्ली –
5. मिनीस्ट्री ऑफ एजुकेशन ,31 कम्यूनिकेशन बिल्डिंग , नई दिल्ली –
6. विभीन्न वैयक्तिक फर्म तथा प्रशासनिक अधिकारियों से –
7. विश्वविद्यालय रोजगार कार्यालयों से –
8. आक्सफोर्ड यूनीवर्सिटी प्रेस, मर्केन्टाइल बिल्डिंग, कलकत्ता –
9. दि गवर्मेण्ट बुक डिपार्टमेंट, मेयो रोड, फोर्ट, मुम्बई –
10. केन्द्रीय शैक्षिक एवं व्यावसायिक ब्यूरो, 33 छात्र मार्ग दिल्ली 61 –

Career Information –1. Employment Service, Pusa, New delhi

- Economics for a Career
- Learn While You Earn
- Career in Railway
- Career in Banking Industries

2. Publication of University Employment Information and Guidence Bureau, Banaras Hindu University –
3. Publication of Institute of Vocational Guidance and Selection Bombay –
4. Publication of University Employment Information and Guidance Bureau, Hisar-
5. Pocket Book of Labour Statistics (Shimla Labour Bureau)

6. Other Publications of Private Publishers -

स्त्रोत – डॉ. आर.ए. शर्मा

डॉ. शिखा चतुर्वेदी

1. शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन तथा परामर्श पृष्ठ – 118 से 123

3. शिक्षा में निर्देशन एवं परामर्श – डॉ. सीताराम जायसवाल पृष्ठ 103

2. द्वितीयक सूचना स्त्रोत (Secondary Sources of Information)

समाचार पत्र, रेडियो, टी.वी.,

वृत्तिक या रोजगार की जानकारी दर्ज करना (Filing of Career Information) :

इसके अंर्तगत विभिन्न क्षेत्रों जैसे–शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, तकनीकी, उद्योग, संचार, परिवहन, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, पोस्टल, बैंकिंग, प्रशासनिक, सुरक्षा, फिल्म उद्योग, आई.सी.टी., माइनिंग, मेरिन, रेल्वे, खेलकूद आदि में रोजगार प्राप्ति की अनेक संभावनाएँ रहती है। हमें सबसे पहले कौन से क्षेत्र में हमारी रुचि है यह देखना होगा तत्पश्चात् कौन से विभाग में किस पद पर कार्य करना चाहते है यह तय करने के पश्चात् उस हेतु पूरी तैयारी के लिए समस्त जानकारी एकत्रित करेंगे। उदा. – यदि राम प्रसाद शिक्षक बनना चाहता है तो जानकारी इस प्रकार दर्ज करेंगे –

1.नाम – श्री राम प्रसाद साहू
2.पिता का नाम – श्री दशरथ साहू
3.माता का नाम – श्रीमती तिलोत्तमा साहू
4.पता–मुकाम एवं पोस्ट – हरदी
5.तहसील – अकलतरा
6.जिला – जांजगीर–चांपा (छ.ग.)
7.रुचि – शिक्षण, बागवानी, तैराकी
8.योग्यता –

10वीं – प्रथम श्रेणी, 60 प्रतिशत
12वीं – प्रथम श्रेणी, 70 प्रतिशत
बी.एस.सी. – प्रथम श्रेणी, 62 प्रतिशत

एम.ए.अंग्रेजी – द्वितीय श्रेणी, 59 प्रतिशत
बी.एड. – प्रथम श्रेणी, 65 प्रतिशत

9.निवास प्रमाण पत्र
10.जाति प्रमाण पत्र
11.आय प्रमाण पत्र
12.विकलांगता प्रमाण पत्र (आवश्यकतानुसार)
13.भूतपूर्व सैनिक कोटा (आवश्यकतानुसार
14.अनुभव प्रमाण–पत्र यदि हो तो

श्री रामप्रसाद साहू की उपरोक्त योग्यता को देखते हुए यह समझ सकते है कि उसमें शिक्षक बनने की पात्रता है। इसके लिए उसे पहले रोजगार कार्यालय में पंजोयन कराना होगा। व्यापम की टी.ई.टी. (Teacher Eligibility Test) उत्तीर्ण करने रोजगार समाचार, इंटरनेट से विज्ञापन आने पर नियमानुसार संबधित वेबसाइट में सेवा की शर्तें बिंदुओं पर प्रविष्टि करेंगे। नियत समयावधि में परीक्षोपरांत चयनित हो जाने पर उसे संबंधित शिक्षक पद हेतु निर्धारित जगह साक्षात्कार/काउंसिलिंग के लिए जाना होगा । यहाँ उसके सभी दस्तावेजों के मूल प्रति की जाँच एवं साक्षात्कार में योग्य पाये जाने पर वह अपना मन वांछित शिक्षक पद पाने में सफल होगा।

यदि रामप्रसाद ब्याख्याता पद के लिए चयनित हो जाता है तो उसे उक्त पद पर कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व ''जिला मेडिकल बोर्ड'' से स्वास्थ्य परीक्षण प्रमाण–पत्र प्राप्त करना होगा। तदुपरांत उक्त पद पर कार्य भार ग्रहण समय सीमा के भीतर करना होगा।

इसी प्रकार जिसे डॉक्टर, इंजीनियर, पुलिस इंस्पेक्टर, कृषि विस्तार अधिकारी, सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी, डिप्टी कलेक्टर, कलेक्टर, सहायक डाकपाल आदि पदों पर उत्सुक अभ्यथियों को उन पदों पर भर्ती हेतु आवश्यक सम्पूर्ण दस्तावेज एकत्रित कर रखना होता है। जिसकी आवश्यकतानुसार सत्य प्रति या प्रतिलिपि जमा करना होता है।

उपसंहार –
मूल्यांकन –

प्रश्न 1. रोजगार सूचना के प्राथमिक एवं द्वितीयक स्त्रोतों पर प्रकाश डालिए ?

प्रश्न 2. विभिन्न पदों/व्यवसाय चयन हेतु रोजगार सूचना आप कैसे एकत्रित करेंगे।

प्रश्न 3. प्राथमिक एवं द्वितीयक सूचना स्त्रातों से आप क्या समझते हैं? अपनी रुचि के किसी भी व्यवसाय चयन हेतु जानकारियों की सूची बनाइये।

Unit 3 – 4 Dissemination of career information: Group techniques-objectives, advantages and limitations-

रोजगार सूचनाओं का प्रसार : समूह तकनीको–उद्देश्यों, लाभ और सोमाएँ

उद्देश्य :

1–प्रशिक्षार्थी रोजगार सूचनाओं के प्रसार को समझ सकेंगे।

2–समूह तकनीकी के उद्देश्यों के बारे में जान सकेंगे।

3–समूह तकनीक के लाभ एवं कमियों के बारे में प्रशिक्षार्थियों में समझ विकसित होगी।

व्यावसायिक सूचनाओं का प्रसार : इसके प्रसार के निम्नांकित तरीके है –

1.रोजगार या वृत्तिक सम्मेलन –

2.मास मीडिया –

3.वृत्तिक स्वामी –

4.प्रदर्शन और प्रदर्शनियाँ –

5.व्यवसायों में कार्यप्रणाली –

6.प्रकाशन –

7.पुस्तकालय –

8.वृत्तिक संबंधी क्षेत्र यात्राएँ –

9.दृश्य–श्रव्य सहायक सामग्री –

10.साक्षात्कार –

11. फिल्म स्ट्रिप्स की स्क्रीनिंग –

12.विभिन्न अनुभव कार्यक्रम द्वारा –

13.कक्षा वार्ता, ट्यूटोरियल व विद्यालयीन क्लब द्वारा –

14.फिल्म शो द्वारा –

Group techniques – objectives

समूह तकनीकी के उद्देश्य :

1- तैयारी Preparation

2. सामान्य विचार उत्पादन

3. विचारों का क्रमबद्ध परिचर्चा
4. प्रारम्भिक मतदान
5. मतदान पर परिचर्चा
6. अंतिम मतदान
7. राउन्ड रॉबिन रिकार्डिंग ऑफ आइडिया

Advantages and Limitations of Group Techniques – समूह तकनीकों के लाभ और सीमाएँ :

1.रॉय में विविधता–
2.ब्यक्तियों की भागीदारी और रुचि–
3.टीम निर्माण
4.सकारात्मक निर्णय–
5.सामूहिक योगदान–
6.लोकतांत्रिक निर्णय लेना–
7.प्रचुर जानकारी–
8.विशेषज्ञ की राय–
9.मतदान प्रणाली–

समूह तकनीकी की कमियॉ (Limitation of Group techniques):

1.समय की खपत :
2.अनेक विचार और राय :
3.असहमति मे चुप रहना :

उपसंहार –

मूल्यांकन –

प्रश्न1– वृत्तिक सूचना प्रसार से आप क्या समझते है? वृत्तिक सूचना प्रसार के तरीकों का उल्लेख कीजिए?

प्रश्न2–रोजगार सूचना के उद्देश्यों, उसके लाभ एवं कमियों पर प्रकाश डालिए।

स्त्रोत : इंटरनट।

Unit 3:5 – Group activies: career talks,
career conference/exibition,

Display field trips, film shows ect.

समूह गतिविधियॉ : रोजगार चर्चा, रोजगार सम्मेलन/प्रदर्शनी, फील्ड यात्राएँ प्रदर्शन, फिल्म शो आदि।

Unit 3:6 – Integration of career information Into teaching of subject matter.

विषय वस्तु के शिक्षण में केरियर की जानकारी का एकीकरण

उद्देश्य :

1–प्रशिक्षार्थी विषय आधारित रोजगार के बारे में जानेंगे।

2–विषय संकाय आधारित वृतिक के बारे में समझ विकसित होगी।

3–विषय एवं रोजगार चयन में सुविधा होगी।

प्रस्तावना : जब कभी अध्ययन हेतु किसी विषय या विषय समूह का चयन किया जाता है उसका उद्देश्य भविष्य में रोजगार चयन में लाभान्वित होने से संबंधित होता है अतः यह आवश्यक है कि विभिन्न विषयों के शिक्षण में विषय आधारित रोजगार की जानकारी का उल्लेख होना चाहिए। जैसे – यदि हम हायर सेकेन्डरी या उच्च शिक्षा में आर्ट/कला विषय में अध्ययन कर रहे हैं तो उनके लिए निम्न क्षेत्रों में रोजगार हेतु क्या विकल्प रहेंगे विषय शिक्षक, कक्षा शिक्षक, परामर्श समिति, मनोचिकित्सक आदि को संबंधित क्षेत्र एवं क्षेत्र विशेष से संबंधित रोजगार के अवसर का उल्लेख करना होगा। कला विषय को समाज में, संस्था में विज्ञान या गणित संकाय के सापेक्ष हेय दृष्टि से देखा जाता है किंतु ये विद्यार्थी निम्न विभागों में विभिन्न पदों तक पहुँच सकते है –

1–शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण कार्य

2—लेखन कार्य

3—पत्रकारिता का क्षेत्र

4—नाटक/ड्रामा

5—टायपिंग

6—संगीत

7—ट्रांसलेटर

8—संचार क्षेत्र

9—डाक विभाग

10—रेल्वे

11—राज्य लोक सेवा आयोग

12—संघ लोक सेवा आयोग

13—कृषि क्षेत्र

14—वन विभाग

15.खनन

16—मेरिन

17—उद्योग

18—जल संसाधन

19—बिजली

20—चिकित्सा

21—सुरक्षा

22—सामाजिक

23—राजनीतिक

24—व्यापार

25—परिवहन

26—विदेश विभाग

27—आकाशवाणी

28—कम्प्यूटर

विद्यार्थी उपरोक्त विभिन्न क्षेत्रों में अपनी रुचि,योग्यता,क्षमता एवं कौशल विकास के साथ मनोवांछित पद प्राप्त कर संस्था, समाज, राज्य, राष्ट्र एवं विश्व में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए सम्मानित जीवन जी सकते हैं।

इसी प्रकार विज्ञान विषय लेकर पढ़ने पर उपरोक्त सभी क्षेत्रों के अतिरिक्त चिकित्सा के क्षेत्र में और अनेक संभावनाएँ है।

गणित विषय के अध्ययन से उपरोक्त के अतिरिक्त तकनीकी के क्षेत्र में बहुत अधिक संभावनाएँ है। ऐसे ही कृषि संकाय, कॉमर्स, लॉ संकाय, कम्प्यूटर आदि समूहों में एक में अनेकों का एकीकरण संभव है।

उपसंहार –

मूल्यांकन – प्रश्न1. संकाय समूह के शिक्षण में रोजगार एकीकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न2. अपने विद्यार्थियों को रोजगार चयन हेतु उनके विषय